संस्थान द्वारा 'वंदे मातरम' कार्यक्रम की रिपोर्ट

Report of 'Vande Mataram' programme by the Institute

राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भा.वा.अ.शि. प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में वंदे मातरम अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. अश्वनी तपवाल ने 'वन्दे मातरम्' के इतिहास और महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी । कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. मनीषा थपलियाल, वैज्ञानिकगण, अधिकारीगण और कर्मचारीगण ने सहभागिता की और राष्ट्रीय गीत पाठ सत्र में भाग लिया । यह आयोजन राष्ट्रीय गीत के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर था।

वन्दे मातरम् विशेष अभियान के तहत फील्ड रिसर्च स्टेशन कम वन विज्ञान केंद्र, जगतसुख में एक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 5 प्रजातियों के 10 पौधे लगाए गए, जिनमें पॉपुलस सिलियाटा, मेपल, सेल्टिस ऑस्ट्रेलिस, प्रूनस अर्मेनियाका, कार्पिनस जैक्वेमोंटी शामिल हैं।

To commemorate the 150th anniversary of the national song 'Vande Mataram', a programme was organized as part of the Vande Mataram Campaign at the ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla. On this occasion, Dr. Ashwani Tapwal gave detailed information about the history and significance of 'Vande Mataram'. Director Dr. Manisha Thapliyal, scientists, officers and staff of the Institute participated in the program and took part in the Vande Mataram recitation session. The event was an important occasion to showcase the sense of respect and pride towards the Vande Mataram. The live telecast event of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, was also collectively invited by the all member of ICFRE-HFRI, Shimla.

Under the Vande Mataram Special Campaign, a plantation programme was organized at Field Research Station cum Van Vigyan Kendra, Jagatsukh in which 10 saplings of 5 species were planted including *Populus ciliata, Maple, Celtis australis, Prunus armeniaca, Carpinus jacquemontii*.

कार्यक्रम की झलकियाँ

****